भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2306

13 फरवरी, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

आयुर्ज्ञान योजना

2306. श्री विजय बघेलः

डॉ. हेमंत विष्णु सवराः

श्री प्रदीप कुमार सिंहः

श्रीमती अनिता नागरसिंह चौहानः

डॉ. भोला सिंहः

श्री तेजस्वी सूर्याः

श्रीमती विजयलक्ष्मी देवीः

श्री भर्तृहरि महताब:

श्री योगेन्द्र चांदोलियाः

श्री भोजराज नाग:

श्री महेंद्र सिंह सोलंकी:

श्री मुकेश कुमार चंद्रकांत दलाल:

श्रीमती महिमा कुमारी मेवाड़:

श्री तापिर गावः

श्रीमती स्मिता उदय वाघ:

श्री गोडम नागेशः

श्री बिभु प्रसाद तराईः

श्री सुकान्त कुमार पाणिग्रही:

श्री खगेन मुर्मुः

डॉ. निशिकान्त दुबे:

श्री जुगल किशोरः

श्री मनीष जायसवालः

श्री अनिल फिरोजियाः

श्री अभिमन्यु सेठी:

श्रीमती अपराजिता सारंगीः

श्री नलिन सोरेनः

श्री शिवमंगल सिंह तोमरः

श्री नव चरण माझी:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या आयुर्ज्ञान योजना के अंतर्गत, दिसंबर 2025 तक अनुसंधान एवं नवाचार परिसर (बाह्य अनुसंधान) कार्यक्रम के तहत अनुसंधान परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या, वाणिज्यिक या बाजार उपयोग हेतु लाइसेंस के चरण तक पहुंच

चुकी परियोजनाओं की संख्या और अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक पत्रिकाओं में प्रकाशित आयुर्ज्ञान-वितपोषित शोध पत्रों की संख्या कितनी है:

(ग) क्या सरकार ने दिसंबर 2025 तक आयुर्ज्ञान के अंतर्गत सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) के अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लिया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है: और

(घ) उक्त अवधि के दौरान सीएमई कार्यक्रम के अंतर्गत कौशल प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले आयुष शिक्षकों, चिकित्सकों और पराचिकित्साकर्मियों की संख्या का राज्य/संघ राज्यक्षेत्रवार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क): जी हां, आयुर्ज्ञान योजना के आयुष में अनुसंधान और नवाचार घटक के तहत, अनुसंधान गतिविधियों यथा पूर्व-नैदानिक, नैदानिक, मौलिक आदि के संचालन के लिए प्रारंभ से (अर्थात् 08.06.2021) 31 दिसंबर 2025 तक 34 अनुसंधान परियोजनाओं को मंजूरी/समर्थन दिया गया था। इसका विवरण संलग्नक में दिया गया है।

(ख): इस योजना के अंतर्गत अनुसंधान कार्यकलापों का उद्देश्य, औषधियों और फार्मूलेशनों की सुरक्षा और प्रभावकारिता से संबंधित साक्ष्य सृजित करना है। ये फार्मूलेशन पहले से ही सार्वजनिक डोमेन में हैं, और उनके चिकित्सीय संकेत सामान्यत: औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 की पहली अनुसूची में निर्दिष्ट प्राधिकृत ग्रंथों में दर्ज किए जाते हैं। इन शोध गतिविधियों के परिणामों में, प्रकाशन, मानक संचालन प्रक्रियाएं (एसओपी), पेटेंट, संबंधित डिलिवरेबल्स शामिल हैं, जो सीधे तौर पर दवा लाइसेंसिंग से जुड़े हुए नहीं हैं।

इसके अलावा, अनुसंधान और नवाचार घटक के तहत, अनुसंधान परियोजनाओं को तीन वर्ष की अवधि के लिए सहायता प्रदान की जाती है और निधियां किस्तों में जारी की जाती है। परियोजनाओं के पूरा होने पर प्रत्याशित परिणाम प्राप्त होते हैं। वित्तीय वर्ष 2021-22 से 31 दिसंबर 2025 तक आर एंड आई घटक (पूर्ववर्ती ईएमआर सहित) के तहत सहकर्मी-समीक्षित जर्नल में कुल 62 शोध पत्र प्रकाशित किए गए हैं।

(ग) और (घ): जी हां, आयुर्ज्ञान योजना की शुरुआत से, 250 सीएमई/प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लक्ष्य की तुलना में 257 सीएमई/प्रशिक्षण कार्यक्रमों को सहायता दी गई है। केंद्रीय क्षेत्र योजना होने के कारण, प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए देश भर के पात्र संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है और यह योजना किसी राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के लिए निर्दिष्ट नहीं है। आयुष घटक में क्षमता निर्माण और सीएमई के तहत, अनुदान प्राप्त संगठन देशभर से प्रतिभागियों को आमंत्रित करते हैं। 6100 आयुष कर्मियों के लक्ष्य की तुलना में कुल 7531 आयुष कर्मियों (यानी अनुसंधानकर्ताओं सहित आयुष शिक्षकों/डॉक्टरों/पैरामेडिक्स) को प्रशिक्षित किया गया है।

*****

संलग्नक

आयुष घटक में अनुसंधान और नवाचार के तहत अनुसंधान गतिविधियां संचालित करने के लिए स्वीकृत/सहायता प्राप्त परियोजनाओं का विवरण इस प्रकार हैं:

क्र. सं.	अनुदान प्राप्तकर्ता संस्थान	अध्ययन का शीर्षक	विषय	राज्य	स्वीकृत अनुदान (रु. में)
1.	इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, वाराणसी।	कोविड-19 के रोगियों में आयुर्वेदिक फॉर्मूलेशन का नैदानिक प्रभाव (विथासोम्निफेरा , टिनोस्पोरा कॉर्डिफोलिया मोरिंगा ओलीफेरा, अधातोडा) वासिका, पिपर लोंगम, ग्लाइसीर्ट ग्लबरा, ओसीमम सैंक्टम और करकुमा लोंगा)	आयुर्वेद	उत्तर प्रदेश	948560
2.	गवर्नमेंट सिद्ध मेडिकल कॉलेज, पलायमकोट्टई, तिरुनेलवेली	हल्के और मध्यम कोविड-19 से प्रभावित नागरिकों के लिए एलोपैथिक दवा की तुलना में नीलावेम्बुकुडीनीर (वीएमके-एनवीके) के साथ वेट्टुम्मारांकुलिगई की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए ओपन लेबल्ड रैंडमाइज्ड केस नियंत्रित नैदानिक अध्ययन	सिद्ध	तमिलनाडु	999000
3.	अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली	सार्स-सीओवी-2 मेन प्रोटीज़ पर उनके एंटी-वायरल असर के लिए क्लासिकल आयुर्वेदिक फ़ॉर्मूलेशन का रीपर्पसिंग: एक पूर्व-नैदानिक इन-विट्रो जांच दृष्टिकोण	आयुर्वेद	दिल्ली	5355966
4.	बैंगलोर मेडिकल कॉलेज और रिसर्च इंस्टीट्यूट (बीएमसी और आरआई), बेंगलुरु	हल्के लक्षण वाले कोविड-19 पॉजिटिव रोगियों में मानक देखभाल के साथ-साथ एक ऐड-ऑन थेरेपी के तौर पर सुदर्शन चूर्ण, यष्टिमधु चूर्ण और अमृतारिष्ट के असर का मूल्यांकन करने के लिए एक ओपन-लेबल नियंत्रित नैदानिक अध्ययन किया गया।	आयुर्वेद	कर्नाटक	1029000
		2022-23			
1.	अंतर्राष्ट्रीय आनुवंशिक इंजीनियरिंग और जैव प्रौद्योगिकी केंद्र, नई दिल्ली	निलावेम्बुकुडीनीर और वथासुरकुडीनीर के अर्क का तुलनात्मक और संयुक्त प्रभावकारिता मूल्यांकन	सिद्ध	दिल्ली	6260020
2.	अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान	अल्सरेटिव कोलाइटिस के रोगियों में जीवन की क्वालिटी और नैदानिक परिणामों पर संरचित योग अभ्यास का प्रभाव	योग और प्राकृतिक चिकित्सा	दिल्ली	6188936
3.	आईसीएमआर-राष्ट्रीय महामारी विज्ञान संस्थान टीएनएचबी, अयप्पक्कम, चेन्नई	तमिलनाडु में गैर-संचार रोगों (एनसीडी) में सिद्ध पद्धति की स्वास्थ्य प्रणाली की तैयारी: अभी की स्थिति, हितधारकों का नज़रिया और लागत विश्लेषण	सिद्ध	तमिलनाडु	3932388

4.	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास, चेन्नई	देसी गाय के दूध से बने घी का कॉग्निशन और अल्जाइमर बीमारी के विरूद्ध न्यूरो-प्रोटेक्शन पर प्रभाव	आयुर्वेद	तमिलनाडु	7000000
5.	अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान	देसी गाय का घृत और जात्यादि घृत का घाव भरने में प्रभाव के संबंध में नियंत्रित परीक्षण	आयुर्वेद	दिल्ली	3398861
6.	अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान	मानक देखभाल के साथ एक अतिरिक्त उपचार के तौर पर योग आधारित रिहैबिलिटेशन के साथ दीर्घाविधि कोविड लक्षणों का प्रबंधन: एक रैंडमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण	योग और प्राकृतिक चिकित्सा	दिल्ली	1239840
		2023-24			
1.	आस्थागिरी हर्बल रिसर्च फाउंडेशन, चेन्नई	सिद्ध फॉर्मूलेशन, सारा पंथागम का प्रक्रिया मानकीकरण और रसायनिक विशेषता निर्धारण	सिद्ध	तमिलनाडु	6874110
2.	अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली	पॉलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम (पीसीओएस) पर योग आधारित जीवनशैली का असर	योग और प्राकृतिक चिकित्सा	दिल्ली	6107285
3.	मध्य भारत आयुर्विज्ञान संस्थान (सीआईआईएमएस), नागपुर	एम. ट्यूबरकुलोसिस इन्फेक्शन के विरूद्ध एंटी-टीबी दवाओं का असर बढ़ाने के लिए बायोएनहांसर के तौर पर गोमूत्र के आसवन का मूल्यांकन	आयुर्वेद	महाराष्ट्र	4961608
4.	जेएसएस आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, मैसूर	तेल और क्षीरबाला के प्रभाव को सिद्ध करने के लिए हड्डी बनने और फिर से सोखने के बायोकेमिकल मार्कर का इस्तेमाल करके ऑस्टियोपीनिया और ऑस्टियोपोरोसिस पर तेल 101 का एक तुलनात्मक अध्ययन	आयुर्वेद	कर्नाटक	5921869
5.	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की	चिकनगुनिया और डेंगू के विरूद्ध गौमूत्र डिस्टिलेट और औषधिय अर्क में फार्माकोलॉजिकली सक्रिय एंटीवायरल मॉलिक्यूल्स का मॉलिक्यूलर अध्ययन	आयुर्वेद	उत्तराखंड	6340274
6.	सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय पुणे	ड्रोसोफिला और चूहे के जानवरों के मॉडल का उपयोग करके उम्र बढ़ने और अल्जाइमर रोग की प्रक्रिया में डायोस्कोरिया एसपीपी की सुरक्षा क्षमता की खोज करना"	आयुर्वेद	महाराष्ट्र	6471340
7.	मौलाना आज़ाद इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज	कार्सिनोमा में एपीवाई प्रेरित ओरल म्यूकोसाइटिस कीमो/रेडियोथेरेपी में आयुर्वेद उपचारों की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक नैदानिक नियंत्रित परीक्षण	आयुर्वेद	दिल्ली	6901960
8.	अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली	आयुर्वेद के औषधीय पौधों का ग्लूको विट्रो मैकेनिस्टिक अध्ययन में न्यूरोप्रोटेक्टिव	आयुर्वेद	दिल्ली	6145512

		प्रभाव"			
9.	स्कूल ऑफ बायोसाइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, वीआईटी यूनिवर्सिटी, वेल्लोर	रूमेटाइड आर्थराइटिस (वफ़ा-उल-मफ़ासिल) के विरूद्ध एक यूनानी हर्बल दवा का थेराप्यूटिक मूल्यांकन - साइंटिफिक वैलिडेशन के लिए एक इम्यूनोलॉजिकल दृष्टिकोण।	यूनानी	तमिलनाडु	5948796
10.	जामिया हमदर्द, हमदर्द नगर, नई दिल्ली	सेलुलर स्ट्रेस के विरूद्ध सुरक्षा में उनकी भूमिका के लिए मेटलॉइड यूनानी कुष्टजात के काम करने का मॉलिक्यूलर मैकेनिज्म	यूनानी	दिल्ली	6206091
2024-25					
1.	कस्तूरबा मेडिकल कॉलेज, मणिपाल विश्वविद्यालय, मणिपाल	होम्योपैथिक एंटी-एंग्जायटी के फिजियोलॉजिकल एक्शन की खोज , जो ह्यूमन जीएबीएर्जिक और सेरोटोनर्जिक न्यूरॉन्स को मीडिएट करता है।	होम्योपैथी	कर्नाटक	5405120
2.	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राउरकेला	ओरल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा के उपचार के लिए एक अप्रभावकारी एंटी-कैंसर एजेंट के तौर पर गोमूत्र अर्क - इसके एंटी-कैंसर प्रभाव के पीछे का मॉलिक्यूलर मैकेनिज्म	आयुर्वेद	ओडिशा	5880780
3.	डॉ. एएलएम पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ बेसिक मेडिकल साइंसेज, मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई	प्रेशर ओवरलोड से होने वाली कार्डियक हाइपरट्रॉफी और फाइब्रोसिस पर सी57/बीएल चूहों का उपयोग करके बॉम्बिक्स मोरी (एब्रेशम) के कार्डियो-प्रोटेक्टिव प्रभाव के पीछे एक एक्सपेरिमेंटल स्टडी मैकेनिज्म की पहचान करना।	यूनानी	तमिलनाडु	4604546
4.	एसडीएम कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड हॉस्पिटल, धारवाड़	टाइप-2 डायबिटीज (योग वी-एज)वाले लोगों में एंडोथेलियल फंक्शन और वैस्कुलर एजिंग पर योग का असर: एक रैंडमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण।	योग और प्राकृतिक चिकित्सा	कर्नाटक	4236898
2025-26					
1.	पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय (सीवीएएस), मन्नुथी, केरल विश्वविद्यालय, वायनाड	ब्रेस्ट कैंसर सेल लाइन्स में होम्योपैथिक दवाओं का फार्माकोलॉजिकल मूल्यांकन	होम्योपैथी	केरल	5234697
2.	आरसी पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च शिरपुर, धुले	टीएलआर-7आईएल-17/आईएल-23 नॉक-इन/आउट सेल लाइन और सोरायसिस के माउस मॉडल का उपयोग करके चुनी हुई होम्योपैथिक दवाओं के एंटी-सोरायटिक प्रभाव के मॉलिक्यूलर साक्ष्यों की जांच	होम्योपैथी	महाराष्ट्र	4419064
3.	स्वास्थ्य मामलों के लिए इंटरैक्टिव रिसर्च स्कूल, भारती विद्यापीठ, पुणे	मोटे लोगों में गट माइक्रोबायोम पर बस्ती के थेराप्यूटिक कोर्स का प्रभाव	आयुर्वेद	महाराष्ट्र	5595230

4.	वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टीट्यूट, दिल्ली	क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) के रोगियों में फेफड़ों के काम, सूजन के निशान, ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और सेहत की स्थिति पर योग के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक नैदानिक अध्ययन।	आयुर्वेद	दिल्ली	5212550
5.	अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए), नई दिल्ली	सीओपीडी के प्रबंधन में आयुर्वेदिक इनहेलेशन थेरेपी (एरोसोल) और रसायन थेरेपी के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए पूर्व-नैदानिक और रैंडमाइज्ड कंट्रोल नैदानिक अध्ययन	आयुर्वेद	दिल्ली	6159358
6.	पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च।	पशु मॉडल जैसे ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर में आयुष-56 का मैकेनिज्म स्पष्टीकरण	आयुर्वेद	चंडीगढ़	5725252
7.	अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली	ड्रग रेजिस्टेंट एपिलेप्सी में एंटीसीज़र दवाओं के साथ यूनानी फार्माकोपियल फॉर्मूलेशन की सहायक भूमिका का आकलन: एक संयोजित परीक्षणात्मक और नैदानिक अध्ययन दृष्टिकोण	यूनानी	दिल्ली	6999480
8.	जुबली सेंटर फॉर मेडिकल रिसर्च त्रिशूर	मल्टीडिसिप्लिनरी अप्रोच के ज़रिए आयुर्वेद प्रकृति के फेनोटाइपिक-जीनोटाइपिक सह-संबंधों की जांच करना	आयुर्वेद	केरल	6931880
9.	शारदा कृष्णा होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज	कन्याकुमारी जिले में महिलाओं के सर्वाइकल प्रीमैलिग्नेंट घाव के रिग्रेशन में इंडिविजुअलाइज्ड होम्योपैथिक हाई डाइल्यूशन का मूल्यांकन	होम्योपैथी	तमिलनाडु	7000000
10.	जादवपुर विश्वविद्यालय कोलकाता	कार्डियोवैस्कुलर बीमारियों के प्रबंधन में मॉडिफाइड दवा-उल-मिस्क मोटादिल (एमडीएमएम) के काम करने के संभावित तरीके पर फार्माकोलॉजिकल अध्ययन, जिसमें इस पुरानी यूनानी दवा के फॉर्मूलेशन को बेहतर बनाना शामिल है।	यूनानी	पश्चिम बंगाल	6318930
	कुल				**17,79,55,201 (17.79 करोड़)**